ग्राम पंचायत फीकल स्लज मैनेजमेंट कार्ययोजना एवं FSTP का संचालन एवं संधारण

प्रस्तुतकर्ता – अंजिता गोपेश साहू , सरपंच , ग्राम पंचायत – पतोरा
जिला – दुर्ग , छत्तीसगढ़
दिनांकः-

ग्राम पंचायत - पतोरा

घरों की संख्या : 895

जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़

Key Statistics:

जनसख्या : 3935.

पुरुष : 2012

महिला : 192

आर्थिक अवलोकन:

मुख्य व्यवसाय: खेती

प्रमुख फसलें:धान, गेहूं

उपलब्ध सार्वजनिक बुनियादी सुविधाएँ :

- **1 सामुदायिक भवन**
- **2 शासकीय प्राथमिक शाला ,**
- **1 शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला**
- **1 शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला**
- **7 आंगनवाड़ी,**
- **1 हेल्थ केयर सेंटर है.**

सभी संस्थानों मे पानी व स्वच्छता की उचित व्यवस्था है।

WASH structures: त्रिस्तरीय भूरा जल प्रबन्धन संरचना ,वर्षा जल संचयन संरचना, मल जल उपचार संयंत्र , प्लास्टिक क्रशर संयंत्र , सभी के घरों मे शौचालय, नल कनेक्शन, सार्वजनिक शौचालय , नाडेप.

बुनियादी ढांचे एवं सार्वजनिक उपलब्ध सुविधाएँ :

एफएसएम (मल कीचड़ प्रबंधन) का अवलोकन :

एफएसटीपी (मल कीचड़ उपचार संयंत्र) का परिचय:

ग्राम पंचायत पतोरा में ODF के सफल क्रियान्वयन के बाद मल जल के उचित निबटान के लिये फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट की जरुरत महसूस हुई .स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), वाटरएड इंडिया एवं पंचायत के सहयोग से 2021 FSTP का निर्माण किया गया.

कुल क्षमता : 9 किलो लीटर प्रति सप्ताह

कुल लागत : 26 लाख (वाटरएड)

संचालन लागत : 1.2 लाख प्रति वर्ष

क्षेत्रफल : 0.25 एकड़

ग्राम पंचायत पतोरा एफएसएम क्रियान्वयन योजना :

- सरपंच की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वच्छता समिति द्‌वारा संचालन :
- स्वच्च्ताग्रही , SHG समूह की महिलाएं , जल बहिनी एवं पंच इसके सदस्य हैं.
- मासिक मीटिंग.
- समुदाय की शिकायतों को दर्ज के लिये एवं उन शिकायतों का निबटान के लिये अलग अलग समूह को जिम्मेदारी.
- FSTP के संचालन एवं संधारण में महिला समूह की भागेदारी.
- प्रति दिन का लेखा जोखा रखना एवं उसे पंचायत को अवगत कराना.
- प्रति वर्ष सेवा शुल्क निर्धारण (पुनर्निर्धारण) ग्राम सभा के माध्यम से.

एफएसएम योजना और एफएसटीपी संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) में महिलाओं की भागीदारी:

महिलाओं की भागीदारी क्यूँ ?

- ग्राम मल कीचड़ प्रबंधन (एफ़एसएम) योजनाओं और मल कीचड़ उपचार संयंत्र (एफएसटीपी) संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) की योजना और कार्यान्वयन में महिलाओं की भागीदारी कई कारणों से महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, महिलाएं अक्सर स्वच्छता सुविधाओं की प्राथमिक उपयोगकर्ता होती हैं और अपर्याप्त स्वच्छता सेवाओं से सीधे तौर पर अधिक प्रभावित होती हैं।

- दूसरे, महिलाएं अद्वितीय अंतर्दृष्टि और ज्ञान लाती हैं, जो इन प्रणालियों के डिजाइन और कार्यान्वयन को बढ़ा सकती हैं, जिससे अधिक टिकाऊ और समुदाय-उत्तरदायी समाधान प्राप्त हो सकते हैं।

- सामुदायिक स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा मिलता है.

ग्राम पंचायत एफएसएम योजन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व और उसका प्रभाव:

- महिलाएं अपने घरों और आस पास में बेहतर स्वच्छता सुविधाओं और सेवाओं की वकालत करती हैं।
- महिलाएं घरेलू स्वच्छता सुविधाओं के प्रबंधक, उनका उचित उपयोग और रखरखाव सुनिश्चित करती हैं।
- महिलाएं संरचनाओं की देखरेख में मूल्यवान इनपुट और फीडबैक प्रदान करने करती हैं।
- संचालन एवं संधारण के लिये जरुरी सामुदायिक सहयोग (उपयोग शुल्क) का बेहतर संग्रह हो पता है ।

सफलता की कहानियाँ:

- FSTP प्लांट से निर्मित बायो कम्पोस्ट “स्व-अंश” का इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा सफल सर्टिफिकेशन।
- “स्व-अंश” और वेर्मी कम्पोस्ट बिक्री के लिये उपलब्ध । (महिला SHG ग्रुप द्वारा बिक्री जारी है)
- स्वच्छता कर का लगभग 80 प्रतिशत संग्रह। (बिक्री राशी का समूह के सदस्यों में वितरण)
- FSTP अपने संचालन एवं संधारण में आत्म निर्भर।
- पंचायत द्वारा मल जल का पुर्णतः प्रबंधन।
- महिलओं द्वारा प्रबंधन ।

उपलब्धियाँ:

- स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान 2023 .
- उत्कृष्ट सेग्रीगेसन शेड पुरष्कार 2020.
- ODF प्लस मॉडल .
- स्वच्छ पंचायत सम्मान 2022,2023.
- राष्ट्रीय गुड गवेर्नेंस वर्कशॉप में ग्राम पंचायत पतोरा की स्टोरी का प्रदर्शन.
- मल जल सयंत्र का सफलता पूर्वक संचालन करने वाला छत्तीसगढ़ राज्य का पहला ग्राम पंचायत.

धन्यवाद्..